समाज के लिए जीना ही है राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य : प्रो. अनिल कुमार शुक्ल

व्यक्तिगत से सामाजिक हित और राष्ट्रीय एकता का प्रयास है यह राष्ट्रीय एकता शिविर : प्रो. नीलिमा सिंह

विद्यार्थियों में भारतीयता व विभिन्नता में एकता की भावना का विकास ही राष्ट्रीय एकता शिविर का उद्देश्य : पी. के. सिंह

मेवाड़ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय एकता शिविर का शानदार आगाज, पहला दिन होगा उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड एवं बिहार के नाम

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़/गंगरार। व्यक्तिगत से सामूहिक यात्रा, व्यष्टि से समष्टि की यात्रा, पिण्ड से ब्रह्मांड की यात्रा ही राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य है। यह सिखाती है कि हमें बहुत ऊंचा उठना है, इतना ऊंचा उठना है कि हम सभी राष्ट्रीय एकता महसूस कर सके, सब में सद्भाव और प्रेम का प्रसार कर सकें। उक्त उद्गार व्यक्त कर रहे थे महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 अनिल कुमार शुक्ल। प्रो0 शुक्ल मेवाड़ विश्वविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार तथा क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। अपनी बात शुरू करते हुए उन्होंने कहा कि मेवाड़ शौर्य व बलिदान की धरती है। यह धरती हमें वीरता के साथ मरना सिखाती है तो वहीं आज राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर का यह एकता शिविर हमें वीरता के साथ जीना सिखाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का मूल उद्देश्य समाज का कल्याण ही है। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में देश भर के एनएसएस वालंटियर्स को सम्बोधित करते हुए कोटा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 नीलिमा सिंह ने कहा कि युवा ऊर्जा से परिपूर्ण रहते हैं इसीलिए राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे कार्यक्रमों में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने देश भर से आए एनएसएस वालंटियर्स को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ की विंग कमांडर पुष्पा ठाकुर ने वालंटियर्स को चार मूल मंत्र दिए कहा कि हर एक युवा को अपने शब्दों के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए, अनुशासित रहना चाहिए, सदैव सकारात्मक रहना चाहिए, और खुद से बेहद प्यार करते रहना चाहिए। इससे पहले देश भर के एनएसएस वालंटियर्स को सम्बोधित करते हुए युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशक पी. के. सिंह ने कहा कि मानव संसाधन किसी भी देश की सबसे बड़ी सम्पदा होती है। इसी सम्पदा का निरंतर निर्माण करना एनएसएस का मकसद है। एनएसएस के माध्यम से हम विद्यार्थियों में नागरिक व नैतिक मूल्य विकसित करते हैं। एनएसएस के इस राष्ट्रीय एकता शिविर के पीछे की सोच भी यही है कि विद्यार्थियों में भारतीयता व विभिन्नता में एकता की भावना विकसित हो सके। शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार के राज्य नोडल अधिकारी धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि जब तक हम समाज में अपना योगदान नहीं देते, तब तक एक बेहतर नागरिक नहीं बन सकते। हमारा आचार-विचारव परिधान कैसा हो यह भी एनएसएस सीखाता है। इसके पहले एनएसएस की अवधारणा, संकल्पना और उद्देश्यों को बताते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के क्षेत्रीय निदेशक एस. पी. भटनागर ने कहा कि यह ऐसा अवसर है देश भर के एनएसएस वालंटियर्स के लिए जहाँ हम हमारे भारत की साझी सांस्कृतिक विरासतों का आदान-प्रदन कर खुद को सम्पूर्ण कर सकें। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए मेवाड़ एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष गोविन्द लाल गदिया ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम नियमित होने चाहिए जिससे हम राष्ट्र निर्माण की अपनी भावी योजनाओं को साकार कर सकें। मेवाड़ एजुकेशन सोसाइटी का भी यही उद्देश्य है कि वह समाज के हर वर्ग को एक बेहतर शिक्षा व सामाजिक व्यवहार की उन्नत पद्धति मुहैया करा सके। इसमें न केवल सरकार बल्कि समाज के हर व्यक्ति से सहयोग व योगदान की हमें आवश्यकता है। इन सबके अलावा उद्घाटन समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ। जिसमें मेवाड़ विश्वविद्यालय की नृत्य विभागाध्यक्षा कुंजलता मिश्रा ने राग बब्रदंती एक ताल पर ओडीशी नृत्य प्रस्तुत किया। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के एनएसएस वालंटियर्स ने स्वागत समूह गान श्स्वागत म्हारे हिवड़े रा पावंड़ाश् प्रस्तुत किया। आर. के. पाटनी गर्ल्स कॉलेज एवं मेवाड़ विश्वविद्यालय के एनएसएस वालंटियर्स ने नृत्य प्रस्तुती दी। साथ ही बाँसुरी पर श्मीरा हो गई मगनश् की प्रस्तुति संगीत विभागाध्यक्ष डॉ0 राजर्षि कसौधन ने दी। राष्ट्रीय एकता शिविर के उद्घाटन समारोह की शुरुआत सरस्वती वंदना, मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलगीत व एनएसएस गीत के साथ हुई।

समाज के लिए जीना ही है राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य प्रो. अनिल कुमार शुक्ल

व्यक्तिगत से सामाजिक हित और राष्ट्रीय एकता का प्रयास है यह राष्ट्रीय एकता शिविर प्रो0 नीलिमा सिंह

विद्यार्थियों में भारतीयता व विभिन्नता में एकता की भावना का विकास ही राष्ट्रीय एकता शिविर का उद्देश्य पी0 के0 सिंह

मेवाड़ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय एकता शिविर का शानदार आगाज

पहला दिन होगा उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड एवं बिहार के नाम

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़/गंगरार(अमित कुमार चेचानी)। व्यक्तिगत से सामूहिक यात्रा, व्यष्टि से समष्टि की यात्रा, पिण्ड से ब्रह्मांड की यात्रा ही राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य है। यह सिखाती है कि हमें बहुत ऊंचा उठना है, इतना ऊंचा उठना है कि हम सभी राष्ट्रीय एकता महसूस कर सके, सब में सद्भाव और प्रेम का प्रसार कर सकें। उक्त उद्गार व्यक्त कर रहे थे महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 अनिल कुमार शुक्ल। प्रो0 शुक्ल मेवाड़ विश्वविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार तथा क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। अपनी बात शुरू करते हुए उन्होंने कहा कि मेवाड़ शौर्य व बलिदान की धरती है। यह धरती हमें वीरता के साथ मरना सिखाती है तो वहीं आज राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर का यह एकता शिविर हमें वीरता के साथ जीना सिखाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का मूल उद्देश्य समाज का कल्याण ही है। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में देश भर के एनएसएस वालंटियर्स को सम्बोधित करते हुए कोटा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 नीलिमा सिंह ने कहा कि युवा ऊर्जा से परिपूर्ण रहते हैं इसीलिए राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे कार्यक्रमों में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने देश भर से आए एनएसएस वालंटियर्स को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ की विंग कमांडर पुष्पा ठाकुर ने वालंटियर्स को चार मूल मंत्र दिए। कहा कि हर एक युवा को अपने शब्दों के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए, अनुशासित रहना चाहिए, सदैव सकारात्मक रहना चाहिए, और खुद से बेहद प्यार करते रहना चाहिए। इसके पहले देश भर के एनएसएस वालंटियर्स को सम्बोधित करते हुए युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशक पी. के. सिंह ने कहा कि मानव संसाधन किसी भी देश की सबसे बड़ी सम्पदा होती है। इसी सम्पदा का निरंतर निर्माण करना एनएसएस का मकसद है। एनएसएस के माध्यम से हम विद्यार्थियों में नागरिक व नैतिक मूल्य विकसित करते हैं। एनएसएस के इस राष्ट्रीय एकता शिविर के पीछे की सोच भी यही है कि विद्यार्थियों में भारतीयता व विभिन्नता में एकता की भावना विकसित हो सके। शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार के राज्य नोडल अधिकारी धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि जब तक हम समाज में अपना योगदान नहीं देते, तब तक एक बेहतर नागरिक नहीं बन सकते। हमारा आचार-विचारव परिधान कैसा हो यह भी एनएसएस सीखाता है। इसके पहले एनएसएस की अवधारणा, संकल्पना और उद्देश्यों को बताते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के क्षेत्रीय निदेशक एस. पी. भटनागर ने कहा कि यह ऐसा अवसर है देश भर के एनएसएस वालंटियर्स के लिए जहाँ हम हमारे भारत की साझी सांस्कृतिक विरासतों का आदान-प्रदान कर खुद को सम्पूर्ण कर सकें। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए मेवाड़ एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष गोविन्द लाल गदिया ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम नियमित होने चाहिए जिससे हम राष्ट्र निर्माण की अपनी भावी योजनाओं को साकार कर सकें। मेवाड़ एजुकेशन सोसाइटी का भी यही उद्देश्य है कि वह समाज के हर वर्ग को एक बेहतर शिक्षा व सामाजिक व्यवहार की उन्नत पद्धति मुहैया करा सके। इसमें न केवल सरकार बल्कि समाज के हर व्यक्ति से सहयोग व योगदान की हमें आवश्यकता है। इन सबके अलावा उद्घाटन समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ। जिसमें मेवाड़ विश्वविद्यालय की नृत्य विभागाध्यक्षा कुंजलता मिश्रा ने राग बज्रदंती एक ताल पर ओडीशी नृत्य प्रस्तुत किया। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के एनएसएस वालंटियर्स ने स्वागत समूह गान श्स्वागत म्हारे हिवड़े रा पावंड़श् प्रस्तुत किया। आर. के. पाटनी गर्ल्स कॉलेज एवं मेवाड़ विश्वविद्यालय के एनएसएस वालंटियर्स ने नृत्य प्रस्तुती दी। साथ ही बाँसुरी पर श्मीरा हो गई मगनश् की प्रस्तुति संगीत विभागाध्यक्ष डॉ0 राजर्षि कसौधन ने दी। राष्ट्रीय एकता शिविर के उद्घाटन समारोह की शुरुआत सरस्वती वंदना, मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलगीत व एनएसएस गीत के साथ हुई। अतिथियों का परिचय एवं स्वागत भाषण मेवाड़ विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट डायरेक्टर हरीश गुरनानी ने दिया। कार्यक्रम का संचालन वंदना चुण्डावत व गंगा बिस्वा ने किया और धन्यवाद ज्ञापन मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने दिया। अतिथियों का स्वागत पगड़ी व स्मृति चिह्न से किया गया। कार्यक्रम के अंत में हिमाचल प्रदेश, चण्डीगढ़, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, आसाम, गोवा, बिहार, झारखण्ड, तमिलनाडु, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, एवं राजस्थान के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारियों एवं उनके एनएसएस वालंटियर्स का परिचय व स्वागत पगड़ी व स्मृति चिह्न देकर किया गया। दिन के दूसरे सत्र में एनएसएस वालंटियर्स को मेवाड़ विश्विद्यालय के प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने सम्बोधित किया। राष्ट्रीय एकता शिविर का पहला दिन उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड एवं बिहार के नाम रहा जिसमें इन तीन राज्यों के एनएसएस वालंटियर्स ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सफाई अभियान, खेलकूद गतिविधियों आदि में सक्रिय प्रतिभागिता की। अन्त में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय की एनएसएस यूनिट सहित अधिकारी, कर्मचारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहें।

जयपुर मिड-डे टाईम्स

जयपुर सोमवार, 23 मई

समाज के लिए जीना ही है राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य प्रो0 अनिल कुमार शुक्ल

व्यक्तिगत से सामाजिक हित और राष्ट्रीय एकता का प्रयास है यह राष्ट्रीय एकता शिविर प्रो० नीलिमा सिंह

विद्यार्थियों में भारतीयता व विभिन्नता में एकता की भावना का विकास ही राष्ट्रीय एकता शिविर का उद्देश्य पी० के० सिंह

मेवाड़ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय एकता शिविर का शानदार आगाज

पहला दिन होगा उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड एवं बिहार के नाम

जयपुर मिड-डे टाईम्स

चित्तौड़गढ़/गंगरार। व्यक्तिगत से सामूहिक यात्रा, व्यष्टि से समष्टि की यात्रा, पिण्ड से ब्रह्मांड की यात्रा ही राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य है। यह सिखाती है कि हमें बहुत ऊंचा उठना है, इतना ऊंचा उठना है कि हम सभी राष्ट्रीय एकता महसूस कर सके, सब में सद्भाव और प्रेम का प्रसार कर सकें। उक्त उद्गार व्यक्त कर रहे थे महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० अनिल कुमार शुक्ल। प्रो० शुक्ल मेवाड़ विश्वविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार तथा क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। अपनी बात शुरू करते हुए उन्होंने कहा कि मेवाड़ शौर्य व बलिदान की धरती है। यह धरती हमें वीरता के साथ मरना सिखाती है तो वहीं आज राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर का यह एकता शिविर हमें वीरता के साथ जीना सिखाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का मूल उद्देश्य समाज का कल्याण ही है। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में देश भर के एनएसएस वालंटियर्स को सम्बोधित करते हुए कोटा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० नीलिमा सिंह ने कहा कि युवा ऊर्जा से परिपूर्ण रहते हैं इसीलिए राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे कार्यक्रमों में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने देश भर से आए एनएसएस वालंटियर्स को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ की विंग कमांडर पुष्पा ठाकुर ने वालंटियर्स को चार मूल मंत्र दिए। कहा कि हर एक युवा को अपने शब्दों के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए, अनुशासित रहना चाहिए, सदैव

सकारात्मक रहना चाहिए, और खुद से बेहद प्यार करते रहना चाहिए।

इसके पहले देश भर के एनएसएस वालंटियर्स को सम्बोधित करते हुए युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशक पी. के. सिंह ने कहा कि मानव संसाधन किसी भी देश की सबसे बड़ी सम्पदा होती है। इसी सम्पदा का निरंतर निर्माण करना एनएसएस का मकसद है। एनएसएस के माध्यम से हम विद्यार्थियों में नागरिक व नैतिक मूल्य विकसित करते हैं। एनएसएस के इस राष्ट्रीय एकता शिविर के पीछे की सोच भी यही है कि विद्यार्थियों में भारतीयता व विभिन्नता में एकता की भावना विकसित हो सके।

शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार के राज्य नोडल अधिकारी धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि जब तक हम समाज में अपना योगदान नहीं देते, तब तक एक बेहतर नागरिक नहीं बन सकते। हमारा आचार-विचार व परिधान कैसा हो यह भी एनएसएस सीखाता है। इसके पहले एनएसएस की अवधारणा, संकल्पना और उद्देश्यों को बताते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के क्षेत्रीय निदेशक एस. पी. भटनागर ने कहा कि यह ऐसा अवसर है देश भर के एनएसएस वालंटियर्स के लिए जहाँ हम हमारे भारत की साझी सांस्कृतिक विरासतों का आदान-प्रदान कर खुद को सम्पूर्ण कर सकें।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए मेवाड़ एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष गोविन्द लाल गदिया ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम नियमित होने चाहिए जिससे हम राष्ट्र निर्माण की अपनी भावी योजनाओं को साकार कर सकें। मेवाड़ एजुकेशन सोसाइटी का भी यही उद्देश्य है कि वह समाज के हर वर्ग को एक बेहतर शिक्षा व सामाजिक व्यवहार की उन्नत पद्धति मुहैया करा सके। इसमें न केवल सरकार बल्कि समाज के हर व्यक्ति से सहयोग व योगदान की हमें आवश्यकता है।

इन सबके अलावा उद्घाटन समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ। जिसमें मेवाड़ विश्वविद्यालय की नृत्य विभागाध्यक्षा कुंजलता मिश्रा ने राग बद्धदंती एकताल पर ओडीशी नृत्य प्रस्तुत किया। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के एनएसएस वालंटियर्स ने स्वागत समूह गान श्स्वागत म्हारे हिवड़े रा पावंड़ाश प्रस्तुत किया। आर. के. पाटनी गर्ल्स कॉलेज एवं मेवाड़ विश्वविद्यालय के एनएसएस वालंटियर्स ने नृत्य प्रस्तुती दी। साथ ही बाँसुरी पर श्मीरा हो गई मगनश की प्रस्तुति संगीत विभागाध्यक्ष डॉ० राजर्षि कसौधन ने दी।

राष्ट्रीय एकता शिविर के उद्घाटन समारोह की शुरूआत सरस्वती वंदना, मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलगीत व एनएसएस गीत के साथ हुई। अतिथियों का परिचय एवं स्वागत भाषण मेवाड़ विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट डायरेक्टर हरीश गुरनानी ने दिया। कार्यक्रम का संचालन वंदना चुण्डावत व गंगा बिस्वा ने किया और धन्यवाद ज्ञापन मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने दिया। अतिथियों का स्वागत पगड़ी व स्मृति चिह्न से किया गया। कार्यक्रम के अंत में हिमाचल प्रदेश, चण्डीगढ़, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, आसाम, गोवा, बिहार, झारखण्ड, तमिलनाडु, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, एवं राजस्थान के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारियों एवं उनके एनएसएस वालंटियर्स का परिचय व स्वागत पगड़ी व स्मृति चिह्न देकर किया गया। दिन के दूसरे सत्र में एनएसएस वालंटियर्स को मेवाड़ विश्विद्यालय के प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने सम्बोधित किया। राष्ट्रीय एकता शिविर का पहला दिन उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड एवं बिहार के नाम रहा जिसमें इन तीन राज्यों के एनएसएस वालंटियर्स ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सफाई अभियान, खेलकूद गतिविधियों आदि में सक्रिय प्रतिभागिता की। अन्त में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय की एनएसएस यूनिट सहित अधिकारी, कर्मचारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहें।

कार्य किए जाएंगे।

समाज के लिए जीना ही राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य: प्रो अनिल

गंगरार। व्यक्तिगत से सामूहिक यात्रा, व्यष्टि से समष्टि की यात्रा, पिण्ड से ब्रह्मांड की यात्रा ही राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य है। यह सिखाती है कि हमें बहुत ऊंचा उठना है, इतना ऊंचा उठना है कि हम सभी राष्ट्रीय एकता महसूस कर सके, सब में सद्भाव और प्रेम का प्रसार कर सकें। उक्त उद्गार व्यक्त कर रहे थे महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अनिल कुमार शुक्ल। प्रो शुक्ल मेवाड़ विश्वविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार तथा क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। शिक्षा का मूल उद्देश्य समाज का कल्याण ही है। कोटा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा सिंह ने कहा कि युवा ऊर्जा से परिपूर्ण रहते हैं इसीलिए राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे कार्यक्रमों में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने देश भर से आए एनएसएस वालंटियर्स को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ की विंग कमांडर पुष्पा ठाकुर ने वालंटियर्स को चार मूल मंत्र दिए। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशक पी.के. सिंह ने कहा कि मानव संसाधन किसी भी देश की सबसे बड़ी सम्पदा होती है। शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार के राज्य नोडल अधिकारी धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि जब तक हम समाज में अपना योगदान नहीं देते, तब तक एक बेहतर नागरिक नहीं बन सकते। राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के क्षेत्रीय निदेशक एस. पी. भटनागर ने कहा कि यह ऐसा अवसर है देश भर के एनएसएस वालंटियर्स के लिए जहां हम हमारे भारत की साझी सांस्कृतिक विरासतों का आदान-प्रदान कर खुद को सम्पूर्ण कर सकें। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता मेवाड़ एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष गोविन्द लाल गदिया ने की। मेवाड़ विश्वविद्यालय की नृत्य विभागाध्यक्षा कुंजलता मिश्रा ने राग बज्रदंती एक ताल पर ओडीशी नृत्य प्रस्तुत किया। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के एनएसएस वालंटियर्स ने स्वागत समूह गान स्वागत म्हारे हिवड़े रा पांवणा प्रस्तुत किया। आर. के. पाटनी गर्ल्स कॉलेज एवं मेवाड़ विश्वविद्यालय के एनएसएस वालंटियर्स ने नृत्य प्रस्तुती दी। साथ ही बांसुरी पर मीरा हो गई मगन की प्रस्तुति संगीत विभागाध्यक्ष डॉ राजर्षि कसौधन ने दी। *स्वागत भाषण मेवाड़ विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट डायरेक्टर हरीश गुरनानी,* संचालन वंदना चूण्डावत व गंगा बिस्वा ने किया और धन्यवाद ज्ञापन मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने दिया। कार्यक्रम अधिकारियों एवं उनके एनएसएस वालंटियर्स का परिचय व स्वागत पगड़ी व स्मृति चिह्न देकर किया गया।

हुंना को आबादी भूमि का

राष्ट्रीय एकता शिविर

गंगरार। स्वयं की ताकत और कमजोरियों का निरन्तर विश्लेषण करते रहें। निरन्तर प्रशिक्षण से अपने आपको और मजबूत बनायें। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के दूसरे दिन बतौर मुख्य अतिथि संगम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. करूणेश सक्सेना ने देशभर के विभिन्न राज्यों से आये हुए एनएसएस वालन्टियर्स से कही। स्वागत भाषण मेवाड़ विष्वविद्यालय के प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने दिया। कार्यक्रम का संचालन गुजरात के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जितेन्द्र पटेल और महाराष्ट्र की राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुनीता पाल ने किया। धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना राजस्थान की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रूचि मिश्रा ने किया। इसके अलावा गुजरात मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र के एनएसएस वालन्टियर्स ने सुबह प्रभातफेरी और योगा कार्यक्रम में प्रतिभागिता की तथा दोपहर में खेलकूद गतिविधियों एवं सायंकाल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

स्वयं की ताकत और कमजोरियों का निरन्तर विश्लेषण करते रहें

चित्तौड़गढ़. स्वयं की ताकत और कमजोरियों का निरन्तर विश्लेषण करते रहें। निरन्तर प्रशिक्षण से अपने आप को और मजबूत बनायें। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के दूसरे दिन संगम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. करूणेश सक्सेना ने देशभर के विभिन्न राज्यों से आये हुए एनएसएस वालन्टियर्स से कही। उन्होंने कहा कि सारी शिक्षा केवल पढ़ाई से ही नहीं मिल सकती इसके अलावा भी हमें व्यावहारिक व सामाजिक जीवन से भी सीखने की जरूरत है। हमें हमेशा अच्छे व्यवहार की आदत बनानी चाहिये। यथार्थवादी बने रहें, मुगालते में न रहें। हम अक्सर मुश्किल आने पर घबरा जाते है। हमें धैय रखना चाहिए और अपनी ऊर्जा को संकेन्द्रित करना चाहिए। परिचय एवं स्वागत भाषण मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने दिया। कार्यक्रम का संचालन गुजरात के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जितेन्द्र पटेल और महाराष्ट्र की राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुनीता पाल ने किया। राष्ट्रीय सेवा योजना राजस्थान की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रूचि मिश्रा ने आभार जताया किया। इसके अलावा गुजरात मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र के एनएसएस वालन्टियर्स ने सुबह प्रभातफेरी और योगा कार्यक्रम में प्रतिभागिता की तथा दोपहर में खेलकूद गतिविधियों एवं सायंकाल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

समाज के लिए जीना ही है राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य :प्रो. शुक्ल

चित्तौड़गढ़, 22 मई (कासं.)। व्यक्तिगत से सामूहिक यात्रा, व्यष्टि से समष्टि की यात्रा, पिण्ड से ब्रह्मांड की यात्रा ही राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य है। यह सिखाती है कि हमें बहुत ऊंचा उठना है, इतना ऊंचा उठना है कि हम सभी राष्ट्रीय एकता महसूस कर सके, सब में सद्भाव और प्रेम का प्रसार कर सके।

यह उद्गार महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनिल कुमार शुक्ल ने मेवाड़ विश्वविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार तथा क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर का यह एकता शिविर हमें वीरता के साथ जीना सिखाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का मूल उद्देश्य समाज का कल्याण ही है। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में देश भर के एनएसएस वॉलंटियर्स को सम्बोधित करते हुए कोटा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा सिंह ने कहा कि युवा ऊर्जा से परिपूर्ण रहते हैं। इसीलिए राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे कार्यक्रमों में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ की विंग कमांडर पुष्पा ठाकुर ने वॉलंटियर्स को चार मूल मंत्र दिए।

उन्होने कहा कि हर एक युवा को अपने शब्दों के प्रति प्रतिबद्ध रहना करते हुए युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशक पीके सिंह ने कहा कि मानव संसाधन किसी भी देश की सबसे बड़ी सम्पदा होती है। इसी सम्पदा का निरंतर निर्माण करना एनएसएस का मकसद है।

कार्यक्रम में शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार के राज्य नोडल अधिकारी धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि जब तक हम समाज में अपना योगदान नहीं देते, तब तक एक बेहतर नागरिक नहीं बन सकते। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए मेवाड़ एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष गोविन्द लाल गदिया ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते समारोह की शुरुआत सरस्वती वंदना, मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलगीत व एनएसएस गीत के साथ हुई। अतिथियों का परिचय एवं स्वागत भाषण मेवाड़ विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट डायरेक्टर हरीश गुरनानी ने दिया। कार्यक्रम का संचालन वंदना चुंडावत व गंगा बिस्वा ने किया और धन्यवाद ज्ञापन मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने दिया।

दिन के दूसरे सत्र में एनएसएस वालेंटियर्स को मेवाड़ विश्विद्यालय के कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने सम्बोधित किया। राष्ट्रीय एकता शिविर का पहला दिन उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं बिहार के नाम रहा, जिसमें इन तीन राज्यों के एनएसएस

ऑनलाइन हाजिरी दर्ज नहीं हो पा रही है, 16 मई से मेट ऑफ

प्रताप जयंती को भव्य रुप से मनाने

समाज के लिए जीना ही है राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य : शुक्ल

चित्तौड़गढ़ (प्रातःकाल संवाददाता)। व्यक्तिगत से सामूहिक, व्यष्टि से समष्टि, पिण्ड से ब्रह्मांड की यात्रा ही राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य है। यह सिखाती है कि हमें बहुत ऊंचा उठना है, इतना ऊंचा उठना है कि हम सभी राष्ट्रीय एकता महसूस कर सके। उक्त विचार महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनिल कुमार शुक्ल ने मेवाडत्र विश्व विद्यालय में आयोजित युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के सहयोग से राष्ट्रीय एकता शिविर के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि मेवाड़ शौर्य व बलिदान की धरती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का मूल उद्देश्य समाज का कल्याण ही है। कोटा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा सिंह ने कहा कि युवा ऊर्जा से परिपूर्ण रहते हैं इसीलिए राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे कार्यक्रमों में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने देश भर से आए एनएसएस वालंटियर्स को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। सैनिक स्कूल की विंग कमांडर पुष्पा ठाकुर ने वालंटियर्स को चार मूल मंत्र देते हुए कहा कि हर एक युवा को अपने शब्दों के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए, अनुशासित रहना चाहिए, सदैव सकारात्मक रहना चाहिए, और खुद से बेहद प्यार करते रहना चाहिए।

राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशक पी. के. सिंह ने कहा कि मानव संसाधन किसी भी देश की सबसे बड़ी सम्पदा होती है। इसी सम्पदा का निरंतर निर्माण करना एनएसएस का मकसद है। क्षेत्रीय निदेशक एस. पी. भटनागर ने कहा कि यह ऐसा अवसर है देश भर के एनएसएस वालंटियर्स के लिए जहाँ हम हमारे भारत की साझी सांस्कृतिक विरासतों का आदान-प्रदान कर खुद को सम्पूर्ण कर सकें। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता मेवाड़ एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष गोविन्द लाल गदिया ने की।

स्वंय की ताकत व कमजोरियों का निरंतर विश्लेषण करें

चित्तौड़गढ़, 23 मई (कासं.)। स्वयं की ताकत और कमजोरियों का निरन्तर विश्लेषण करते रहें, निरन्तर प्रशिक्षण से अपने आप को और मजबूत बनायें।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के दूसरे दिन बतौर मुख्य अतिथि संगम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. करूणेश सक्सेना ने देशभर के विभिन्न राज्यों से आये हुए एनएसएस वालन्टियर्स को संबोधित करते हुए कहा कि सारी शिक्षा केवल पढ़ाई से ही नहीं मिल सकती इसके अलावा भी हमें व्यावहारिक व सामाजिक जीवन से भी सीखने की जरुरत है।

हमें हमेशा अच्छे व्यवहार की आदत बनानी चाहिये। यथार्थवादी बने रहें, मुगालते में न रहें। हम अक्सर मुश्किल आने पर घबरा जाते है, हमें धैर्य रख अपनी ऊर्जा को संकेन्द्रित करना चाहिए। परिचय एवं स्वागत भाषण विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने दिया। कार्यक्रम का संचालन गुजरात के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जितेन्द्र पटेल और महाराष्ट्र की राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुनीता पाल ने किया। राष्ट्रीय सेवा योजना राजस्थान की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रूचि मिश्रा ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया। इसके अलावा गुजरात मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र के एनएसएस वालन्टियर्स ने सुबह प्रभातफेरी और योगा कार्यक्रम में प्रतिभागिता की तथा दोपहर में खेलकूद गतिविधियों एवं सायंकाल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय सेवा योजना गान तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ।